ब्रहस्पतिवार, 7 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

आईपीएल 2026 में हाई-वोल्टेज ड्रामा, अंपायर के फैसले पर विवाद

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

विक्की कौशल बन सकते हैं फ्रैंचाइज़ी का नया चेहरा

Page-05

केंद्र सरकार ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान के समान कानूनी दर्जा देने का प्रस्ताव मंजूर किया है। इसके अपमान या गायन में बाधा डालने पर सख्त कानूनी कार्रवाई और सजा का प्रावधान होगा। संशोधन विधेयक जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा।

कैबिनेट ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने का प्रस्ताव मंजूर किया

- **कैबिनेट ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने का प्रस्ताव मंजूर किया।**
- **इसके अपमान पर भी अब सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।**

पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की शानदार चुनावी जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान कानूनी और प्रतीकात्मक दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय को देश के राष्ट्रीय प्रतीकों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह फैसला उस बैठक में लिया गया जो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों के बाद आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान मंत्रियों ने पश्चिम बंगाल में पार्टी की जीत पर प्रधानमंत्री को बधाई भी दी। इसी दौरान वंदे मातरम को लेकर कानूनी ढांचे में बदलाव का प्रस्ताव पारित किया गया। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने "राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम" में संशोधन को मंजूरी दी है, जिसके तहत अब वंदे मातरम को भी वही कानूनी संरक्षण मिलेगा जो वर्तमान में राष्ट्रगान को प्राप्त है। इसका मतलब यह होगा कि यदि किसी कार्यक्रम या सार्वजनिक स्थान पर वंदे मातरम के गायन के दौरान जानबूझकर बाधा डाली जाती है या उसका अनादर किया जाता है, तो उसे संज्ञेय अपराध माना जाएगा। वर्तमान नियमों के अनुसार, राष्ट्रगान में बाधा डालने या उसका अपमान करने पर तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। प्रस्तावित संशोधन के बाद यही कानूनी दंड वंदे मातरम पर भी लागू होगा। बार-बार अपराध करने की स्थिति में सख्त सजा का भी प्रावधान रहेगा। वंदे मातरम, जिसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने रचा था, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। देश में इसकी 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर यह निर्णय लिया गया है, जिससे इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ गया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इससे पहले 2005 में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान से जुड़े कानूनों में संशोधन किया गया था। पिछले वर्ष संसद में हुई विशेष चर्चा में भी वंदे मातरम को समान दर्जा देने की मांग उठी थी।अब इस संशोधन विधेयक को जल्द ही संसद में पेश किए जाने की संभावना है। यदि यह पारित हो जाता है, तो यह भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों की कानूनी सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव साबित होगा।

विजय ने राज्यपाल से मिलकर पेश किया सरकार गठन का दावा

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पहली बार चुनाव लड़ते हुए टीवीके (तमिलगा वेट्री कज़गम) राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी को अब पांच कांग्रेस विधायकों का समर्थन भी मिल गया है, जिससे उसका बहुमत का दावा मजबूत हो गया है। कांग्रेस, जो पहले डीएमके गठबंधन का हिस्सा थी, ने अब टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। बुधवार को टीवीके प्रमुख और अभिनेता से नेता बने विजय ने चेन्नई स्थित लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात की और सरकार गठन का दावा पेश किया। विजय ने राज्यपाल को समर्थन पत्र सौंपते हुए बहुमत होने का दावा किया। राज्यपाल ने बताया कि उन्हें टीवीके का पत्र प्राप्त हुआ है और वे जल्द ही विजय से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस के तमिलनाडु अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई और राज्य प्रभारी गिरीश चोडंकर ने भी टीवीके को समर्थन पत्र सौंपा और इसे पार्टी हाईकमान का निर्णय बताया। विजय ने तिरुचिरापल्ली पूर्व और पेरम्बूर सीटों से जीत हासिल की है, जिससे उनकी लोकप्रियता और मजबूत हुई है। फिलहाल राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही शपथ ग्रहण की संभावना जताई जा रही है।

भाजपा का एससी-एसटी सीटों पर शानदार प्रदर्शन

विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षित सीटों पर मजबूत प्रदर्शन किया है। असम और पश्चिम बंगाल में इन वर्गों की सीटों पर भाजपा की बड़ी जीत ने राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है।पश्चिम बंगाल में भाजपा ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 68 में से 51 सीटें जीतकर बड़ी बढ़त हासिल की, जबकि तृणमूल कांग्रेस को केवल 17 सीटें मिलीं। अनुसूचित जनजाति की सभी सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की, जिससे आदिवासी क्षेत्रों में पार्टी की मजबूत पकड़ स्पष्ट हुई। कुल मिलाकर, भाजपा ने एससी/एसटी की 84 में से 67 सीटें जीतकर इन वर्गों में अपना प्रभाव बढ़ाया है।असम में भी भाजपा और उसके नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का प्रदर्शन मजबूत रहा। राज्य की 9 एससी सीटों में से भाजपा ने 5 सीटें जीतीं, जबकि एनडीए को कुल 8 सीटें मिलीं। अनुसूचित जनजाति की 19 सीटों में से भाजपा ने 13 सीटों पर जीत दर्ज की और गठबंधन ने सभी 19 सीटों पर प्रभाव बनाए रखा। एनडीए की ओर एससी-एसटी मतदाताओं के बढ़ते समर्थन को दर्शाता है। परिसीमन और क्षेत्रीय गठबंधनों ने भी इन परिणामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत–वियतनाम के बीच 2030 तक 25 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य तय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को घोषणा की कि भारत और वियतनाम ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 25 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप को औपचारिक रूप दे दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यह घोषणा तब की गई जब प्रधानमंत्री मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम ने दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में कई समझौता ज्ञापनों (MoU) के आदान-प्रदान को देखा। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। संयुक्त प्रेस बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने व्यापार बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि फार्मा क्षेत्र में समझौते के बाद भारतीय दवाओं की पहुंच वियतनाम में और आसान होगी। साथ ही कृषि, मत्स्य और पशु उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान बढ़ेगा, जिससे उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जल्द ही भारत वियतनाम के पोमेलो का आनंद ले सकेगा, जबकि वियतनाम भारतीय अंगूर और अनार का स्वाद चखेगा।दोनों देशों ने वर्ष के अंत तक भारत-आसियान व्यापार समझौते को अपडेट करने पर भी सहमति जताई है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि सहयोग को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाया जा रहा है। इसमें महत्वपूर्ण खनिज, दुर्लभ धातुएं और ऊर्जा क्षेत्र में नई पहल शामिल हैं, जो आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेंगी।

मनोज तिवारी का टीएमसी पर बड़ा आरोप

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीएमसी नेता मनोज तिवारी ने पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि उन्हें विधानसभा टिकट के बदले 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी, जिसे उन्होंने देने से इनकार कर दिया। यह बयान पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद सामने आया, जिसमें टीएमसी को बड़ा झटका लगा है। समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में तिवारी ने कहा कि हावड़ा के शिबपुर से उन्हें टिकट इसलिए नहीं मिला क्योंकि उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में टिकट वितरण पूरी तरह पैसों के आधार पर हुआ और कई उम्मीदवारों ने टिकट पाने के लिए मोटी रकम दी। मनोज तिवारी ने कहा कि उन्हें चुनाव परिणामों पर कोई हैरानी नहीं है, क्योंकि पार्टी में भ्रष्टाचार और विकास की कमी रही है। उन्होंने दावा किया कि करीब 70-72 उम्मीदवारों ने टिकट के लिए लगभग 5-5 करोड़ रुपये दिए, लेकिन उनमें से कई चुनाव हार गए। उन्होंने यह भी बताया कि पहले वे राजनीति में आने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन ममता बनर्जी के कहने पर उन्होंने 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा और जीतकर मंत्री बने। तिवारी ने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के विकास के लिए व्यक्तिगत खर्च करने का भी दावा किया। इसके साथ ही उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि हावड़ा में जल निकासी और बुनियादी ढांचे की समस्याओं पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया। तिवारी ने सभी भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में पर्याप्त कमाई की है।

निशांत कुमार के मंत्री बनने की अटकलें तेज

बिहार में 7 मई को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार के साथ एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिलेगा। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित होने वाले इस समारोह को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस विस्तार में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे राजनीतिक चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। सूत्रों के अनुसार, निशांत कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल होने पर सहमति बनने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठक के बाद उन्होंने सरकार में भूमिका निभाने के लिए अपनी सहमति दे दी है। संभावना है कि वे 7 मई को शपथ ग्रहण कर सकते हैं।इस बीच, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह दिल्ली से पटना पहुंच चुके हैं। जेडीयू के कई वरिष्ठ नेता फिलहाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास पर बैठक कर रहे हैं, जहां मंत्रियों की अंतिम सूची को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। पार्टी की ओर से आज शाम तक नए मंत्रियों के नामों की आधिकारिक घोषणा किए जाने की उम्मीद है। निशांत कुमार वर्तमान में बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा कर जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। वे लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और नीतीश कुमार सरकार के विकास कार्यों पर प्रतिक्रिया भी एकत्र कर रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर
प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक राजनीतिक बदलाव

भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत से बदला सत्ता समीकरण

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने देश और दुनिया का ध्यान खींचा। लंबे समय से सत्ता में रही सरकार को हटाकर बने इस नए राजनीतिक समीकरण पर अमेरिका और बांग्लादेश ने भी प्रतिक्रिया दी। इसे राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार देश की राजनीति में बड़ा संदेश दिया है। चुनाव परिणाम आने के बाद केवल भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी चर्चा तेज हो गई। इस बार सबसे अधिक ध्यान भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर रहा। चुनाव परिणामों में पार्टी ने लंबे समय से सत्ता में रही सरकार को पीछे छोड़ते हुए राज्य की सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसे केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से क्षेत्रीय राजनीति का मजबूत केंद्र माना जाता रहा है। पिछले डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर एक ही राजनीतिक नेतृत्व का दबदबा कायम था। ऐसे में इस बार आए नतीजों ने राजनीतिक विश्लेषकों को भी चौंका दिया। माना जा रहा है कि जनता ने इस चुनाव में बदलाव के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव परिणाम पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है।इस चुनाव पर विदेशों की भी नजर बनी हुई थी। नतीजे सामने आने के बाद अमेरिका से प्रतिक्रिया आई। बताया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन पर बधाई दी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता के अनुसार, ट्रंप ने प्रधानमंत्री को इस चुनावी सफलता पर शुभकामनाएं दीं। यह भी कहा गया कि हाल ही में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में ट्रंप ने मोदी की नेतृत्व क्षमता की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि भारत सौभाग्यशाली है कि उसे ऐसा नेतृत्व मिला है। दिल्ली में समर्थकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस जीत को जनता की ताकत की जीत बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। उनके अनुसार, यह परिणाम केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और लोकतंत्र की शक्ति का प्रतीक है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की इस सफलता को एक मजबूत राजनीतिक दीवार के टूटने के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय तक जिस नेतृत्व का प्रभाव राज्य की राजनीति पर कायम रहा, इस बार मतदाताओं ने उसके स्थान पर नए विकल्प को चुना। चुनाव के दौरान जनता के बीच बदलाव की इच्छा साफ दिखाई दे रही थी और परिणामों ने उसी भावना को मजबूत किया।उधर बांग्लादेश से भी इस चुनाव को लेकर प्रतिक्रिया सामने आई। वहां की सत्तारूढ़ पार्टी के नेता एस. के. अजीजुल बारी हिलाल ने परिणामों पर आश्चर्य जताया, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को जीत की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद पराजय होना स्वाभाविक रूप से चौंकाने वाला है। साथ ही उन्होंने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

बीजिंग में ईरानी विदेश मंत्री की अहम बैठक

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच चीन तेजी से वैश्विक कूटनीति का अहम केंद्र बनकर उभर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित बीजिंग यात्रा से पहले ईरान ने वहां अपनी सक्रिय मौजूदगी दर्ज कराई है। इसी क्रम में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को बीजिंग में चीन के शीर्ष राजनयिक से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। हालिया संघर्ष ने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंता बढ़ा दी है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है और लंबे समय से ईरानी तेल का प्रमुख खरीदार रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री गतिविधियां बढ़ गई हैं। अमेरिकी नौसेना ने दावा किया है कि उसने कई जहाजों को सुरक्षा दी है और संभावित हमलों को रोका है। दूसरी ओर ईरान का आरोप है कि अमेरिकी कार्रवाई से नागरिक जहाजों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बड़ी संख्या में जहाज और हजारों नाविक अब भी समुद्री मार्गों में फंसे हुए हैं। वैश्विक तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकट अब केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं रहा, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और वैश्विक शक्ति संतुलन की बड़ी परीक्षा बन चुका है।

मिशन दृष्टि की सफलता पर एलन मस्क ने दी बधाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क ने बेंगलुरु के अंतरिक्ष नवाचार उद्यम गैलेक्सआई को उसके "मिशन दृष्टि" उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर बधाई दी है। यह उपग्रह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। एलन मस्क ने मंगलवार को सामाजिक मंच 'एक्स' पर "बधाई" लिखकर अपनी प्रतिक्रिया दी।मस्क की यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने मिशन दृष्टि की सफलता पर गैलेक्सआई की सराहना की थी। प्रधानमंत्री ने रविवार को अपने संदेश में कहा था कि मिशन दृष्टि भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है और यह देश के तेजी से बढ़ते नवाचार तंत्र का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण देश के युवाओं की वैज्ञानिक क्षमता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने इसे भारत के उभरते अंतरिक्ष उद्योग के लिए प्रेरणादायक क्षण बताया।मिशन दृष्टि उपग्रह का प्रक्षेपण रविवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 प्रक्षेपण यान के माध्यम से किया गया। यह प्रक्षेपण इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि यह उपग्रह भारत के निजी क्षेत्र द्वारा तैयार किए गए अब तक के सबसे बड़े उपग्रहों में शामिल है। एलन मस्क की सार्वजनिक बधाई ने इस उपलब्धि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक चर्चा में ला दिया है। यह सफलता केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं, युवाओं की प्रतिभा और निजी क्षेत्र की बढ़ती क्षमता का प्रतीक बनकर उभरी है।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अमेरिका की बड़ी घोषणा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से जारी वह सैन्य अभियान थम गया, जिसने पश्चिम एशिया में व्यापक तनाव और अस्थिरता पैदा कर दी थी। अमेरिका और इज़राइल की साझेदारी में शुरू किए गए इस अभियान का घोषित उद्देश्य ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकना था। यह सैन्य कार्रवाई 28 फरवरी को शुरू हुई थी। इसके बाद खाड़ी क्षेत्र और पूरे पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता गया। समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ा, तेल आपूर्ति प्रभावित हुई और कई देशों ने क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। संघर्ष के दौरान तेहरान की आंतरिक राजनीति में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। अली खामेनेई की हत्या के बाद उनके पुत्र मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जिसे ईरान की सत्ता में महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा रहा है। अभियान की समाप्ति की घोषणा करते हुए रूबियो ने कहा कि इस कार्रवाई के सभी प्रमुख उद्देश्य पूरे कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब आगे किसी सैन्य टकराव की इच्छा नहीं रखता और शांति के मार्ग को प्राथमिकता देता है। उनके अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के पक्षधर हैं, लेकिन अब तक ईरान ने उस दिशा में कदम नहीं बढ़ाया है।रूबियो ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री स्थिरता बहाल करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि कई देशों ने अपने फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए अमेरिका से सहायता मांगी थी। इसके बाद अमेरिकी सेना को कार्रवाई का निर्देश दिया गया और जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया गया।

बीजिंग वार्ता से पहले बदले डोनाल्ड ट्रंप के तेवर शी जिनपिंग की खुलकर प्रशंसा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली महत्वपूर्ण मुलाकात से पहले अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल तेज हो गई है। चौदह और पंद्रह मई को बीजिंग में दोनों नेताओं के बीच उच्चस्तरीय वार्ता होने वाली है। इस मुलाकात से पहले डोनाल्ड ट्रंप का बदला हुआ रुख दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है।चीन को लेकर अक्सर कड़ा रुख अपनाने वाले डोनाल्ड ट्रंप इस बार काफी नरम दिखाई दिए। उन्होंने सार्वजनिक रूप से शी जिनपिंग की खुलकर प्रशंसा की। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग के साथ उनके संबंध बहुत गहरे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच अच्छी समझ है और वे कई मुद्दों पर मिलकर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि शी जिनपिंग एक शानदार व्यक्ति हैं और दोनों देशों के बीच संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।ट्रंप ने विशेष रूप से व्यापारिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका और चीन के बीच बड़े स्तर पर व्यापार हो रहा है। उनके अनुसार इस व्यापार से अमेरिका को अच्छा आर्थिक लाभ मिल रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब लंबे समय से दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव और आयात-निर्यात को लेकर मतभेद बने हुए हैं। इसलिए ट्रंप का यह नरम रुख बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।व्यापार के अलावा ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय तनाव के मुद्दों पर भी चीन की भूमिका की सराहना की। खासकर ईरान और तेल आपूर्ति के विषय पर उन्होंने कहा कि चीन अपनी जरूरत का लगभग साठ प्रतिशत तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते प्राप्त करता है। इसके बावजूद चीन ने कभी अमेरिका को खुली चुनौती देने की कोशिश नहीं की। ट्रंप ने कहा कि चीन ने हमेशा अमेरिका के प्रति सम्मानजनक व्यवहार दिखाया है। अपने विशेष अंदाज में ट्रंप ने चीन को तेल आपूर्ति के लिए एक नया सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि चीन को केवल पुराने समुद्री रास्तों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। उनके अनुसार चीनी जहाजों को अमेरिका के बंदरगाहों का उपयोग भी करना चाहिए। उन्होंने टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का का विशेष रूप से उल्लेख किया। ट्रंप ने कहा कि अलास्का भौगोलिक रूप से एशियाई देशों के अपेक्षाकृत काफी निकट है, लेकिन बहुत से लोग इस बात को समझ

संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

पंजाब में बीएसएफ ठिकानों के पास दो धमाके

भगवंत मान ने भाजपा पर लगाया साजिश का आरोप

पंजाब के जालंधर और अमृतसर में बीएसएफ ठिकानों के पास दो विस्फोट हुए। इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे चुनाव से पहले की साजिश बताते हुए भाजपा पर आरोप लगाए। पुलिस, बीएसएफ और केंद्रीय एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को राज्य में सीमा सुरक्षा बल के प्रतिष्ठानों के पास हुए दो विस्फोटों को लेकर गंभीर चिंता जताई और इन घटनाओं को चुनाव से पहले की साजिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के पीछे राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी किसी राज्य में चुनाव नजदीक आते हैं, तब इस प्रकार की घटनाएं सामने आने लगती हैं। उनके इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।मंगलवार रात सबसे पहले जालंधर में सीमा सुरक्षा बल के पंजाब मुख्यालय के बाहर जोरदार धमाका हुआ। यह घटना रात करीब आठ बजे हुई। धमाके की आवाज सुनते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। जालंधर की घटना के कुछ घंटे बाद देर रात अमृतसर के खासा स्थित सेना छावनी क्षेत्र के पास एक और विस्फोट हुआ। इस दूसरी घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी। लगातार कुछ ही घंटों के अंतराल में दो संवेदनशील स्थानों के पास धमाके होना गंभीर माना जा रहा है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सुहैल मीर कासिम ने बताया कि रात करीब ग्यारह बजे तेज आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और पूरे क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कोई अज्ञात व्यक्ति वहां आया और चारदीवारी की ओर कोई वस्तु फेंककर चला गया। उसी वस्तु के गिरते ही विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि घटना के तुरंत बाद वैज्ञानिक जांच दल और बम निष्क्रिय करने वाला दस्ता मौके पर पहुंच गया। घटनास्थल से कुछ नमूने एकत्र किए गए हैं ताकि विस्फोट में प्रयुक्त सामग्री का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारी आदित्य वारियर ने कहा कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि आसपास लगे निगरानी उपकरणों की सहायता से संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सैन्य अधिकारियों की एक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस के साथ समन्वय बनाकर जांच शुरू की। राहत की बात यह रही कि दोनों विस्फोटों में किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। फिर भी लगातार दो घटनाओं के बाद पूरे पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमा से लगे इलाकों, सरकारी भवनों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन घटनाओं के बाद भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां भी चुनावी माहौल बनता है, वहां इस तरह की घटनाएं सामने आने लगती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब शांति और भाईचारे की धरती है और यहां अशांति फैलाने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर यह पता लगाने में जुटी हैं कि दोनों विस्फोट आपस में जुड़े हुए हैं या नहीं। अभी तक किसी राजनीतिक साजिश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पूरे राज्य की नजर अब जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई है। लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई सामने आएगी।

हिमंता बिस्वा सरमा ने सौंपा इस्तीफा, 11 May के बाद होगा New Cabinet का गठन

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके साथ ही राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के बाद यह कदम नई सरकार बनाने की औपचारिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ रानोज पेगू और मानव डेका सहित कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्होंने केवल अपना ही नहीं बल्कि पूरी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा भी राज्यपाल को सौंप दिया है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्यपाल ने मौजूदा सरकार को नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक सरकार के रूप में काम जारी रखने को कहा है। इसका मतलब है कि नई सरकार के शपथ ग्रहण तक वर्तमान सरकार सीमित अधिकारों के साथ प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाती रहेगी। अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर पूछे गए सवाल पर हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला भारतीय जनता पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है। अब वही विधायकों से बातचीत कर अंतिम निर्णय लेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 11 मई के बाद नई मंत्रिपरिषद का गठन किया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अभी यह तय नहीं है कि शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होगा या नहीं। इस संबंध में अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। राजभवन से निकलने के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री सीधे अटल बिहारी वाजपेयी भवन पहुंचे, जहां नव निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के साथ बैठक प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इस बैठक में नई सरकार के गठन और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। असम में अब सबकी नजर भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के फैसले पर टिकी हुई है। आने वाले दिनों में यह साफ हो जाएगा कि राज्य की अगली सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

राहुल गांधी ने फिर उठाए वोट चोरी के आरोप

हरियाणा सरकार पर लगाया चुनावी हेरफेर का आरोप

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर वोट चोरी और चुनावी धांधली को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कई बार केवल सीटें ही नहीं, बल्कि पूरी सरकारें भी वोटों की चोरी के जरिए बनाई जाती हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर किया जा रहा है। राहुल गांधी ने सामाजिक मंच पर लिखा कि वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं और कभी पूरी सरकार। उन्होंने विशेष रूप से हरियाणा का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां बनी सरकार जनता के जनादेश की नहीं, बल्कि चुनावी हेरफेर का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की उम्मीदों के विपरीत सत्ता में आई सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है।राहुल गांधी ने दावा किया कि लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के 240 सांसदों में लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी के जरिए जीता है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को भाजपा की भाषा में "घुसपैठिया" कहा जा सकता है। उनके अनुसार, जो लोग संस्थाओं को अपने नियंत्रण में रखते हैं और चुनावी व्यवस्था को अपने हिसाब से मोड़ते हैं, वे खुद दूसरों पर आरोप लगाने का नैतिक अधिकार खो देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में बदलाव और चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के जरिए जनता की वास्तविक आवाज दबाई जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा को सच्चाई से डर है, क्योंकि यदि पूरी तरह निष्पक्ष चुनाव हों तो पार्टी इतनी बड़ी संख्या में सीटें नहीं जीत पाएगी। असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी ने अपने आरोप और तेज कर दिए हैं। उनका कहना है कि इन राज्यों में चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं रही। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। हालांकि भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को खारिज किया है। फिलहाल राहुल गांधी के इन बयानों के बाद देश की राजनीति में एक नई बहस शुरू हो गई है।

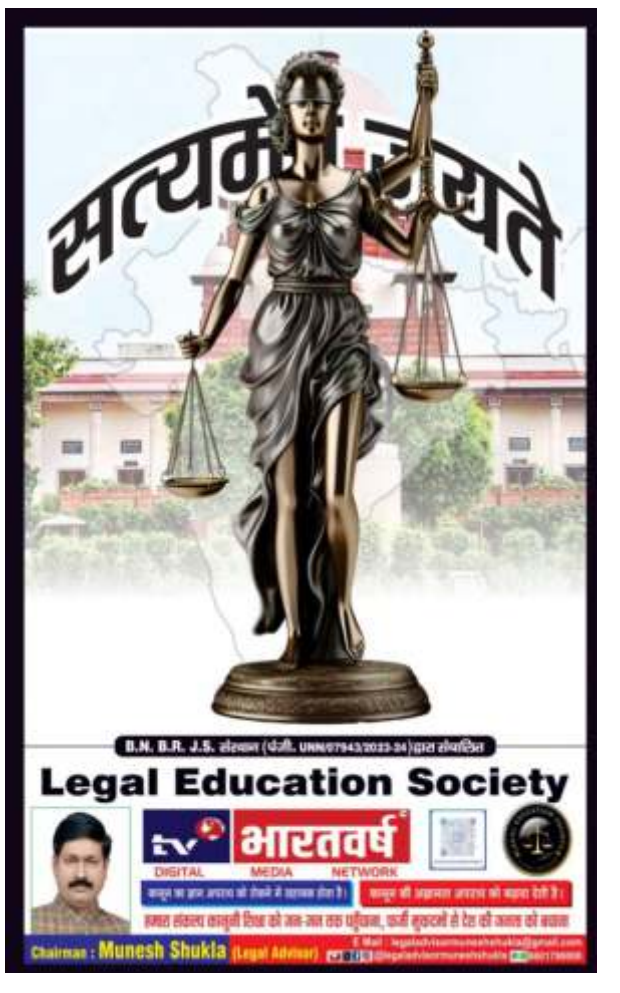

सैमसंग ने बाजार मूल्य में रचा नया इतिहास

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बढ़ी ताकत

दक्षिण कोरिया की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने वैश्विक पूंजी बाजार में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कंपनी का बाजार मूल्य पहली बार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग पचानवे लाख करोड़ रुपये के बराबर है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चिपों की बढ़ती मांग ने कंपनी को इस मुकाम तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।पिछले एक वर्ष के दौरान सैमसंग के शेयरों में लगभग चार गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुधवार को कारोबार के दौरान कंपनी के शेयरों में लगभग पंद्रह प्रतिशत का तेज उछाल देखा गया। इसी के साथ सैमसंग एशिया की दूसरी ऐसी कंपनी बन गई है जिसने एक लाख करोड़ डॉलर का बाजार मूल्य हासिल किया है। इससे पहले यह उपलब्धि केवल ताइवान की एक प्रमुख चिप निर्माण कंपनी को मिली थी। सैमसंग के शेयरों में आई इस तेजी का असर दक्षिण कोरिया के प्रमुख शेयर सूचकांक पर भी दिखाई दिया। देश का मुख्य सूचकांक महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया, जिससे यह साफ संकेत मिला कि निवेशकों का भरोसा केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उत्साह बढ़ा है। आज पूरी दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाओं, विशाल डाटा केंद्रों और उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग प्रणालियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इन सभी के लिए उन्नत स्मृति चिपों और शक्तिशाली अर्धचालकों की आवश्यकता होती है। सैमसंग दुनिया की सबसे बड़ी स्मृति चिप निर्माता कंपनियों में शामिल है, इसलिए इस बदलते तकनीकी दौर का उसे सीधा लाभ मिल रहा है। सैमसंग के साथ-साथ दक्षिण कोरिया और एशिया की अन्य चिप निर्माण कंपनियों के शेयरों में भी उल्लेखनीय तेजी आई है। निवेशकों का मानना है कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी तकनीकों का विस्तार और तेज होगा, जिससे अर्धचालक उद्योग की मांग लगातार बढ़ती रहेगी।मार्च तिमाही में सैमसंग के अर्धचालक विभाग ने बेहद मजबूत प्रदर्शन किया था। कंपनी के मुनाफे में सालाना आधार पर भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डाटा केंद्रों से मिली मजबूत मांग और बेहतर लाभ मार्जिन रहा। इसने यह स्पष्ट कर दिया कि कंपनी केवल शेयर बाजार में ही नहीं, बल्कि वास्तविक कारोबार में भी मजबूत स्थिति में है। इसी बीच एक और महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी एपल अपने उपकरणों के लिए प्रसंस्करण चिप बनाने को लेकर सैमसंग के साथ शुरुआती बातचीत कर रही है। यदि यह समझौता आगे बढ़ता है, तो एपल को लंबे समय से एक ही आपूर्तिकर्ता पर निर्भर रहने की स्थिति से बाहर निकलने का बड़ा विकल्प मिल सकता है। कुल मिलाकर सैमसंग की यह उपलब्धि केवल बाजार मूल्य बढ़ने तक सीमित नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में अर्धचालक उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बनता जा रहा है। साथ ही एशिया इस तकनीकी परिवर्तन का सबसे मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है।

गंगा सिंह ने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में जीता स्वर्ण

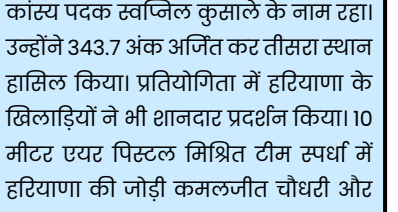

सेना के निशानेबाज गंगा सिंह ने 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 50 मीटर राइफल तीन मुद्राओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मंगलवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में गंगा सिंह ने 357.8 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया और प्रतियोगिता के सबसे चर्चित प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रेलवे के अर्जुन बबूता ने भी कड़ा मुकाबला दिया, लेकिन वह बेहद मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए। अर्जुन बबूता ने 356.9 अंक जुटाकर रजत पदक हासिल किया। स्वर्ण और रजत के बीच अंतर एक अंक से भी कम रहा, जिससे मुकाबले की प्रतिस्पर्धा का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस स्पर्धा का कांस्य पदक स्वप्निल कुसाले के नाम रहा। उन्होंने 343.7 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हरियाणा की जोड़ी कमलजीत चौधरी और सुरभि राव ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी छाप छोड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने पहले क्वालीफिकेशन दौर में 576 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया और फाइनल के लिए जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में भी कमलजीत और सुरभि की जोड़ी ने अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने 476.6 अंक के साथ मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी सटीक निशानेबाजी और संतुलित प्रदर्शन ने उन्हें प्रतियोगिता में विजेता बनाया। इस प्रतियोगिता में देश के कई प्रमुख निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं, इसलिए यहां जीत हासिल करना खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है।

विश्व कप जीत का असर,

टी-20 रैंकिंग में भारत फिर शीर्ष पर

वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल खेलने पर बाल श्रम का आरोप

क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल में खेलना बाल श्रम के दायरे में आता है? इस मुद्दे पर अब बहस तेज हो गई है। कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता सीएम शिवकुमार नायक ने इस पर गंभीर आपत्ति जताते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी है। वैभव सूर्यवंशी, जो बिहार में जन्मे युवा क्रिकेटर हैं, इस समय आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा हैं। नायक का आरोप है कि एक नाबालिग को इतने उच्च दबाव वाले और व्यावसायिक क्रिकेट वातावरण में शामिल करना बाल अधिकारों और श्रम कानूनों का उल्लंघन है। एक कन्नड़ समाचार चैनल पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि यह किसी भी तरह से उचित नहीं है कि 15 साल के बच्चे को अरबों डॉलर की इंडियन प्रीमियर लीग जैसी प्रतियोगिता में उतारा जाए। उनके अनुसार, यह स्थिति बाल शोषण के समान है और बच्चे को इस उम्र में शिक्षा व पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी बच्चे को पेशेवर खेल की आड़ में व्यावसायिक दबाव और प्रतिस्पर्धा में धकेलना गलत है। नायक ने मांग की है कि वैभव की लीग में भागीदारी को तुरंत रोका जाए।हालांकि इस विवाद के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि पेशेवर खेल आमतौर पर बाल श्रम कानूनों के तहत खतरनाक श्रेणी में नहीं आते। खिलाड़ियों की भागीदारी अक्सर अभिभावकों की सहमति और नियमबद्ध खेल अनुबंधों के तहत होती है। यह मामला अब खेल, कानून और बाल अधिकारों के बीच संतुलन को लेकर नई बहस खड़ी कर रहा है।

बुमराह की फीकी गेंदबाजी से मुंबई इंडियंस की बढ़ी चिंता

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मौजूदा सत्र अब तक उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र में उन्होंने सभी दस मुकाबले खेले हैं, लेकिन केवल तीन विकेट ही हासिल कर सके हैं। उनका यह प्रदर्शन टीम के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि मुंबई की स्थिति भी अंक तालिका में कमजोर बनी हुई है। टीम ने अब तक केवल तीन मुकाबले जीते हैं, जबकि सात मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। बुमराह ने इस सत्र में अब तक प्रति ओवर लगभग नौ रन खर्च किए हैं। उनका गेंदबाजी औसत भी बेहद खराब रहा है, जो उनके स्तर के गेंदबाज के लिए असामान्य माना जा रहा है। पिछले सत्र में उन्होंने बारह मैचों में अठारह विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था, इसलिए इस बार उनका संघर्ष सभी को हैरान कर रहा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने भी बुमराह के प्रदर्शन पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि पिछले सत्र की तुलना में इस बार बुमराह की लय पूरी तरह गायब दिख रही है। जब किसी प्रमुख गेंदबाज को विकेट नहीं मिलते, तो दबाव बढ़ता है और रन रोकना भी कठिन हो जाता है। टी-20 विश्व कप में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के बाद इस तरह का संघर्ष निराशाजनक है।

अहमदाबाद में फिर सजेगा खिताबी मुकाबले का महायुद्ध

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अंतिम चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया। इसके अनुसार लगातार दूसरे वर्ष प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल मैच 31 मई को होगा। अंतिम चरण की शुरुआत 26 मई से होगी। पहला क्वालीफायर मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ मैदान में खेला जाएगा। इसके बाद 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को दूसरा क्वालीफायर न्यू चंडीगढ़ के नए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस तरह इस बार अंतिम चरण के मुकाबले तीन अलग-अलग शहरों में खेले जाएंगे। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट मैदानों में गिना जाता है। पिछले वर्ष भी इसी मैदान ने खिताबी मुकाबले की मेजबानी की थी। लगातार दूसरे साल फाइनल का आयोजन यहां होना इस मैदान की बढ़ती अहमियत को दर्शाता है।प्रतियोगिता का लीग चरण अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। अंक तालिका में पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स 12-12 अंकों के साथ बराबरी पर हैं। ऐसे में अंतिम चार स्थानों के लिए मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया है।शुरुआत में खिताबी मुकाबले की मेजबानी बेंगलुरु को दी गई थी। हालांकि स्थानीय क्रिकेट संघ और प्रशासन की कुछ ऐसी शर्तें सामने आईं जो भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के तय नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं थीं। इसी कारण अंतिम मुकाबले का आयोजन स्थल बदलने का फैसला लिया गया। अब जैसे-जैसे लीग चरण समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे दर्शकों की उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है। सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कौन सी चार टीमें अंतिम चरण में पहुंचेंगी और कौन इस बार खिताब अपने नाम करेगा।

इथियोपिया के टीनएजर का तहलका, इंस्टाग्राम ने खुद किया फीचर

रीसायकल फैशन किंग बना शख्स

कंपनी की सोशल मीडिया पर इन दिनों फैशन फिट चेक का ट्रेंड काफी बढ़ गया है. ऐसे में इथियोपिया के एक लड़के ने भी ऐसे वीडियो बनाना शुरू किया. देखते ही देखते उसके लाखों फॉलोअर्स बन गए और उसके एक-एक वीडियों को करोड़ों बार देखा जा रहा है.

कबाड़ को हाई फैशन डिजाइनर कॉस्ट्यूम में बदल देता है ये लड़का (Photo - Instagram)

इन दिनों इंटरनेट पर एक लड़का धूम मचा रहा है. उसके एक-एक वीडियो पर करोड़ों व्यूज आ रहे हैं. वह सिर्फ 'फैशन फिट चेक' वीडियो बनाता है.

इसमें वह बेकार चीजों को फैशनेबल आउटफीट्स के रूप डिजाइन कर देता है. कुछ ही महीनों में उसके करीबन 2 मिलियन फॉलोअर्स हो चुके हैं. अपने वीडियो से भी ज्यादा यह लड़का इस बात के लिए चर्चा में है कि खुद उसे इंस्टाग्राम ने अपने अकाउंट पर फीचर करने का मैसेज भेजा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इथियोपिया के अदीस अबाबा का रहने वाला लड़का सोशल मीडिया पर अभी सबसे चर्चित फैशन क्रिएटर बना हुआ है. इंस्टाग्राम ने खुद इसे अपने अकाउंट पर फीचर करने के लिए मैसेज भेजा है. इंस्टाग्राम पर इसका @kaluputics नाम से अकाउंट है. यह टीनएजर फैशन क्रिएटर बेकार चीजों को हाई-फैशन रनवे लुक्स में बदल देता है. प्लास्टिक बैग, टायर और कार्डबोर्ड जैसी रोजमर्रा की चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने लायक बनाकर यह उन्हें अनोखे और आधुनिक डिजाइन के आउटफिट्स में बदल देने की वजह से वायरल हो रहा है. उसने सिर्फ 21 वीडियो की मदद से, महज एक महीने में करीबन 19 लाख फॉलोअर्स बना लिए हैं. इनमें से कुछ वीडियो को तो करोड़ों बार देखा गया है.

फैशन क्रिएटर ने बटोरी सुर्खियां

इस शख्स के फीट चेक वीडियो की देखा-देखी अन्य लोग भी ऐसे ही वीडियो बनाते दिखाई दे रहे हैं. उसकी नकल करके बनाए गए काफी वीडियो वायरल हो रहे हैं. इन सबके बीच चर्चा बस इथियोपिया के इस फैशन क्रिएटर की हो रही है. जब से इंस्टाग्राम ने इसके वीडियो पर कमेंट किया है और सीधे मैसेज (DM) करने को कहा है. तब से इसकी और ज्यादा चर्चा हो रही है.

शख्स ने लाइन क्रॉस की तो लड़की ने सिखाया सबक

इंडियन प्रीमियर लीग के एक मुकाबले के दौरान हुई एक घटना ने सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छेड़ दी है. CSK के एक फैन ने GT की चीयरलीडर को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिसे लोगों ने. हालांकि, चीयरलीडर ने जिस अंदाज़ में जवाब दिया, उसने पूरा माहौल ही बदल दिया. वीडियो में देखा जा सकता है कि फैन बैरिकेड के पास जाकर चीयरलीडर से कहता है कि तुम एंजेल जैसी लगती हो, लेकिन बिना ज्यादा मेकअप के और भी अच्छी लगोगी.

डैशकैम में कैद हुई लापरवाही

खुले मैनहोल ने ली महिला की 'परीक्षा'

पंजाब के फरीदकोट जिले के कोटकपूरा इलाके में एक महिला स्कूटी सवार का हादसा डैशकैम में कैद हो गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर बहस छेड़ दी है. मामले के अनुसार, महिला अपनी एक्टिवा स्कूटी पर जा रही थी, तभी अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई. जानकारी के मुताबिक, स्कूटी तेज रफ्तार में थी और रास्ते में सीवरेज का ढक्कन उभरा हुआ था. स्कूटी उससे

टकराई और महिला सड़क पर गिर गई. आसपास मौजूद लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया. बताया जा रहा है कि इस हादसे में महिला को गंभीर चोटें आई हैं.

42 डिग्री की धूप और छोटे बच्चे का वादा

'PM बनूंगा तो स्कूल बंद कर दूंगा'

भीषण गर्मी का असर इस समय पूरे देश में देखने को मिल रहा है. कई शहरों में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे आम लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है.

ऐसे मौसम में जहां बड़े लोग खुद को बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं, वहीं छोटे-छोटे बच्चे रोज स्कूल जाने को मजबूर हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक स्कूली बच्चे का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने अपनी मासूम बातों से सभी का ध्यान खींच लिया है और लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है. इस वायरल वीडियो में एक बच्चा, जो स्कूल यूनिफॉर्म में नजर आ रहा है, तेज धूप और गर्मी से

इस वीडियो ने लोगों को हंसाने के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा और स्कूल टाइमिंग को लेकर नई बहस भी छेड़ दी है. (Photo: X/@@rose_k01)

परेशान होकर अपनी बात रखता है. उसके चेहरे पर पसीना साफ दिखाई दे रहा है और आवाज में थकान भी झलक रही है. बच्चा कैमरे के सामने कहता है कि 42 डिग्री की इस चिलचिलाती धूप में बच्चे रोज स्कूल जाते हैं, जिससे उनकी तबीयत खराब हो सकती है. वह अपील करता है कि बच्चों पर थोड़ी दया की जाए और इतनी गर्मी में स्कूल जाने से राहत दी जाए.

बच्चे की बातों में न तो कोई बनावट है और न ही कोई दिखावा, बल्कि एक सच्ची परेशानी है, जिसे वह बेहद सरल शब्दों में सामने रखता है. यही वजह है कि यह वीडियो लोगों के दिल को छू रहा है. बच्चे की मासूमियत और ईमानदारी साफ दिखती है. वीडियो का सबसे दिलचस्प और थोड़ा मजेदार हिस्सा तब आता है, जब बच्चा भविष्य को लेकर अपनी योजना बताता है. वह कहता है कि जब वह बड़ा होकर प्रधानमंत्री बनेगा, तो गर्मियों में स्कूल जाना पूरी तरह बंद कर देगा.

आमिर, माधवन और शरमन की तिकड़ी फिर बड़े पर्दे पर लौट सकती है

विक्की कौशल बन सकते हैं फ्रैंचाइज़ी का नया चेहरा

भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और यादगार फिल्मों में से एक '3 इडियट्स' के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी और रोमांचक खबर सामने आ रही है। आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी की प्रतिष्ठित तिकड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर सकती है, लेकिन इस बार कहानी में एक नया मोड़ देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार फिल्म में "चौथे इडियट" की एंट्री होने जा रही है, जिसके लिए बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह नई फिल्म '3 इडियट्स' के यूनिवर्स को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। बताया जा रहा है कि कहानी में लगभग 10 साल का लीप दिखाया जाएगा, जिसके बाद पात्रों के जीवन में कई नए बदलाव और परिस्थितियाँ सामने आएंगी। इसी बदलाव के साथ एक नया प्रमुख किरदार भी जुड़ सकता है, जिसे "चौथा इडियट" कहा जा रहा है। एक एंटरटेनमेंट पोर्टल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विक्की कौशल इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि उन्होंने आमिर खान के साथ स्क्रीन शेयर करने और राजकुमार हिरानी जैसे दिग्गज निर्देशक के साथ काम करने में रुचि दिखाई है। यह भी कहा गया है कि विक्की कौशल, आमिर खान और राजकुमार हिरानी के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर कई दौर की चर्चाएं हो चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार, विक्की कौशल ने "चौथे इडियट" के किरदार के लिए मौखिक सहमति भी दे दी है, हालांकि अभी आधिकारिक अनुबंध और शूटिंग शेड्यूल पर अंतिम निर्णय बाकी है। बताया जा रहा है कि पूरी स्टारकास्ट की डेट्स को मैनेज करना सबसे बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सभी कलाकार वर्तमान में अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं।फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी एक बार फिर राजकुमार हिरानी के संभालने की संभावना जताई जा रही है, जिन्होंने मूल '3 इडियट्स' को भी निर्देशित किया था। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि नई कहानी में पुराने किरदारों और नए किरदार के बीच कैसे संतुलन बनाया जाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि विक्की कौशल अपने मौजूदा प्रोजेक्ट्स पूरे करने के बाद ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर पाएंगे। इनमें उनका बड़ा प्रोजेक्ट 'महावतार' शामिल है, जिसमें उन्हें लंबे समय तक शूटिंग करनी होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल हाल ही में 2025 की ऐतिहासिक एक्शन फिल्म 'छावा' में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई। इसके अलावा वे फिलहाल संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट बॉलीवुड के सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिलहाल '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन "चौथे इडियट" की चर्चा ने फैंस के बीच उत्साह जरूर बढ़ा दिया है।

लखनऊ में सेफ सिटी के CCTV उपकरण चोरी, IPL निगरानी व्यवस्था प्रभावित

लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में सेफ सिटी परियोजना के सीसीटीवी कैमरों से जुड़े उपकरण चोरी हो गए, जिससे शहीद पथ के करीब 40 कैमरे बंद हो गए। 25 अप्रैल की रात हुई इस घटना से ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमती नगर विस्तार इलाके में सेफ सिटी परियोजना के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से जुड़े उपकरण चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद शहीद पथ पर लगे करीब 40 सीसीटीवी कैमरे बंद हो गए हैं, जिससे शहर की ट्रैफिक मॉनिटरिंग और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। यह पूरा मामला लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड की परियोजना से जुड़ा है, जिसके तहत शहीद पथ पर पोल और हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इन कैमरों का उपयोग ट्रैफिक नियंत्रण, अपराध पर नजर रखने और महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाता था। विशेष रूप से बड़े आयोजनों और आईपीएल मैचों के दौरान इन कैमरों की मदद से यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जाता था।कैमरों की देखरेख करने वाली संस्था के कर्मचारी विनोद यादव ने गोमती नगर विस्तार थाने में तहरीर देकर बताया कि 25 अप्रैल की रात लगभग 10:49 बजे अज्ञात चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। चोर पोल माउंट से स्विच, बैटरी और यूपीएस सहित कई महत्वपूर्ण उपकरण निकालकर ले गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 1.25 लाख रुपये बताई जा रही है। उपकरण चोरी होने के कारण शहीद पथ पर लगे लगभग 40 कैमरे अचानक बंद हो गए, जिससे पूरे क्षेत्र की निगरानी व्यवस्था बाधित हो गई है। इससे न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में दिक्कतें आ रही हैं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी कमजोर हो गई है। पुलिस और प्रशासन के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि यह कैमरे शहर की सुरक्षा प्रणाली का अहम हिस्सा थे। गोमती नगर विस्तार थाना पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और घटना का खुलासा किया जा सके। इसके अलावा तकनीकी टीम भी मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी संभावना जताई जा रही है कि चोरों को इस प्रणाली और उपकरणों की पूरी जानकारी थी, क्योंकि उन्होंने केवल जरूरी और कीमती हिस्सों को ही निशाना बनाया। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या इस चोरी में किसी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल किया गया है। इस घटना ने सेफ सिटी परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि हाईटेक कैमरों की सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं है, तो शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ेगा। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और जल्द ही मामले के खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

बाबा साहब के जीवन और संघर्ष की झलक दिखेगी शो में

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गोमती नगर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में आगंतुकों के लिए एक नया और प्रेरणादायक अनुभव शुरू किया गया है। मंगलवार से यहां लाइट एंड साउंड शो का शुभारम्भ किया गया, जिसके माध्यम से संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके आदर्शों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि स्मारक समिति द्वारा इस परियोजना पर 18.40 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराया गया है। यह आधुनिक तकनीक पर आधारित शो है, जिसमें बाबा साहब के बचपन से लेकर संविधान निर्माण तक के पूरे सफर को रोचक दृश्यों, प्रकाश और ध्वनि के माध्यम से जीवंत रूप में दिखाया जाता है। इस प्रस्तुति के जरिए दर्शक उनके सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रति समर्पण को करीब से समझ सकेंगे। वीसी ने बताया कि इस लाइट एंड साउंड शो का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों और मूल्यों से जोड़ना है। स्मारक में आने वाले पर्यटक अब न केवल इसकी भव्यता का अनुभव करेंगे, बल्कि इस शो के माध्यम से इतिहास और प्रेरणा से भी रूबरू हो सकेंगे। यह पहल सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 25 अप्रैल से इस शो का ट्रायल रन चल रहा था, जिसे अब नियमित रूप से आगंतुकों के लिए शुरू कर दिया गया है। यह शो प्रतिदिन शाम 7:30 बजे आयोजित किया जाएगा। लाइट एंड साउंड शो के अंतर्गत बाबा साहब के जीवन पर आधारित लगभग 30 मिनट की फिल्म दिखाई जाएगी, साथ ही देशभक्ति के गीत भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके लिए 6 उच्च क्षमता वाले प्रोजेक्टर लगाए गए हैं, जिनकी प्रत्येक की क्षमता 30,000 ल्यूमेन्स है। इससे दर्शकों को उच्च गुणवत्ता वाले दृश्य अनुभव प्राप्त होंगे।

लखनऊ में हिस्ट्रीशीटर का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में मंगलवार सुबह एक हिस्ट्रीशीटर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। अवध विहार योजना के सेक्टर-8 में नगराम रोड स्थित एक स्कूल के पीछे युवक का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान पीजीआई के रेवतापुर निवासी सचिन उर्फ कालिया (30) के रूप में हुई है। परिवार का आरोप है कि सचिन की हत्या पुरानी रंजिश और जमीन विवाद में की गई है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम में गोली मारकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। शरीर और सिर पर कई गंभीर चोटों के निशान भी मिले हैं। मृतक के भाई विवेक और चंदन यादव ने बताया कि सचिन रविवार शाम घर से निकला था। देर रात तक वापस नहीं लौटा तो परिवार को लगा कि वह सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दोस्त के प्लॉट पर रुक गया होगा। सोमवार भर तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला। मंगलवार सुबह परिवार ने पीजीआई पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी। इसी दौरान पुलिस ने बताया कि सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक युवक का शव मिला है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान सचिन के रूप में की। परिवार का कहना है कि सचिन को पहले कहीं बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया। उसके सिर और शरीर पर कई जगह चोटें थीं। आशंका जताई जा रही है कि ईंट या लोहे की रॉड से हमला किया गया। इसके बाद गोली मारकर हत्या कर शव सुनसान इलाके में फेंक दिया गया। भाई विवेक ने आरोप लगाया कि चाचा विजय यादव ने पांच दिन पहले जान से मारने की धमकी दी थी। परिवार के मुताबिक चाचा पक्ष लगातार पुराने मुकदमों में समझौते और केस वापस लेने का दबाव बना रहा था। परिजनों ने बताया कि चाचा की बेटी की शादी 6 मई को होनी थी और इसी वजह से केस से नाम हटाने का दबाव बनाया जा रहा था। परिवार के अनुसार करीब छह महीने पहले पारिवारिक जमीन विवाद में सचिन के भाई सोनू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस मामले में चाचा कपिल यादव समेत परिवार के अन्य लोगों पर आरोप लगा था।

लखनऊ में 5 साल का टूटा रिकॉर्ड, मई का सबसे ठंडा दिन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में मंगलवार 5 साल के रिकॉर्ड में मई का सबसे ठंडा दिन बन गया। मंगलवार (5 मई) को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले 2021 में 29 मई को 27.8°C तापमान दर्ज हुई था। दो दिन मौसम सुहाना रहने के बाद आज (बुधवार) सुबह से तेज धूप निकली। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पार कर सकता है। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को सामान्य से 11.4 डिग्री कमी के साथ अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम था। सोमवार सुबह 8:30 बजे से मंगलवार की सुबह 8:30 बजे तक 16 mm बारिश हुई। इस दौरान अधिकतम नमी 91% दर्ज हुई। न्यूनतम नमी 66 फीसदी रही। मौसम केंद्र लखनऊ के अधिकारी अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, आज लखनऊ के आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। गरजने के साथ एक-दो बार बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है।

चिनहट में हाईकोर्ट अधिवक्ता के घर लाखों की चोरी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के चिनहट इलाके में हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता के घर लाखों रुपए की चोरी हो गई। परिवार शादी समारोह में शामिल होने बाराबंकी गया था। इसी दौरान बदमाशों ने सूने मकान का ताला तोड़कर करीब 2 लाख रुपए कैश और सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। घटना राय इन्क्लेव (धांवा) की है। यहां रहने वाले सुरेश कुमार यादव हाईकोर्ट लखनऊ में अधिवक्ता हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 3 मई को वह परिवार समेत अपने पैतृक गांव पूरे डला, थाना सुबेहा (बाराबंकी) में रिश्तेदारी की शादी में गए थे। 4 मई की रात करीब 10 बजे लौटने पर घर के सभी ताले टूटे मिले। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोर अलमारी में रखे 2 लाख रुपए नकद के अलावा सोने की अंगूठी, चेन, मांगटीका, झुमकी, बाला, कुंडल समेत कई जेवर उठा ले गए। चांदी की करधनी, पायल, बिछिया और सिक्के भी चोरी हो गए। चिनहट पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ का गोमती बैराज 7 मई से 15 जून तक बंद रहेगा

जर्जर गेटों को बदलने के लिए ब्रिज पर यातायात रोका जाएगा

लखनऊ में गोमती बैराज (समता मूलक चौक से बालू अड्डा की तरफ) के 4 जर्जर गेटों को अब बदला जाएगा। इसके लिए ब्रिज को करीब डेढ़ महीने के लिए बंद कर दिया जाएगा। सिंचाई विभाग ने बैराज ब्रिज को 7 मई से 15 जून तक बंद रखने का फैसला लिया है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को पत्र भेजकर डायवर्जन लागू करने की मांग की गई है। दरअसल, गोमती बैराज को अब हाईटेक बनाने की तैयारी चल रही है। गंगा बैराज की तर्ज पर यहां भी मैन्युअल सिस्टम खत्म कर कंप्यूटराइज्ड कंट्रोल सिस्टम लागू किया जाएगा। इसके तहत बैराज परिसर में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां से सभी गेट एक क्लिक से खोले और बंद किए जा सकेंगे। परियोजना पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। फिलहाल बैराज के गेट खोलने और बंद करने की व्यवस्था पूरी तरह मैन्युअल है। ऑपरेटर को प्लेटफॉर्म पर चढ़कर एक-एक गेट संचालित करना पड़ता है। इसमें समय भी ज्यादा लगता है और जोखिम भी बना रहता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद सभी गेटों की मोटरों को केंद्रीकृत सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इससे कंट्रोल रूम से ही पूरा संचालन संभव होगा। सिंचाई विभाग के मुताबिक, गोमती बैराज पर लगे 9 गेट अपनी तय उम्र पूरी कर चुके हैं। इनमें से 2 गेट बदले जाने का काम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि 4 और गेट बदलने की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए बरेली स्टोर से जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने की स्वीकृति भी जारी हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, 7 मई से गेट बदलने का काम शुरू होगा, जिस पर करीब 5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके बाद केवल एक गेट को छोड़कर बाकी सभी गेट नए और पूरी तरह कार्यशील हो जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि भारी मशीनरी, मरम्मत कार्य और सुरक्षा कारणों से बैराज ब्रिज पर आम वाहनों की आवाजाही रोकना जरूरी है। इसी वजह से 7 मई से 15 जून तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करेगी ताकि लोगों को कम से कम परेशानी हो।

गंगाघाट नगर पालिका में ईओ ने समीक्षा बैठक में दिखाया सख्त रुख

लापरवाही पर बाबुओं को लगाई फटकार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के गंगाघाट नगर पालिका में उस समय प्रशासनिक सख्ती देखने को मिली जब अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कर्मचारियों की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। बैठक में ईओ ने विभिन्न विभागीय कार्यों की बारीकी से समीक्षा की और कई खामियों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से पटल बाबुओं के कार्यों की जांच की गई, जिसमें पेंशन और वेतन से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान पेंशन बाबू राम नरेश पाल के कार्यों में कई गंभीर विसंगतियां सामने आईं। दस्तावेजों की जांच में लापरवाही और फाइलों के निस्तारण में देरी को लेकर ईओ ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने राम नरेश पाल को अंतिम चेतावनी देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित और त्रुटिपूर्ण मामलों को तत्काल प्रभाव से दुरुस्त किया जाए।ईओ ने कहा कि पेंशन जैसे संवेदनशील मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी, क्योंकि इससे आम जनता को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।समीक्षा बैठक के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुख रहा। ईओ ने नगर पालिका क्षेत्र के कई वार्डों में अपेक्षित स्तर की सफाई न होने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित सफाई नायकों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि सभी वार्डों में नियमित रूप से सफाई कार्य सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में आगामी जनगणना कार्य की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ईओ ने सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूरा किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अंतर्गत चल रहे सभी कार्यों को भी समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। ईओ ने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिक योजनाओं में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।इसी बीच, दिल्ली से स्वच्छ भारत मिशन के मुख्य पर्यवेक्षक कलीम अहमद भी आज गंगाघाट नगर पालिका पहुंचे। उन्होंने विभिन्न मोहल्लों का दौरा कर नगर की सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई स्थानों पर कूड़ा प्रबंधन, नालियों की सफाई और स्वच्छता की स्थिति का आकलन किया।कलीम अहमद ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने और स्वच्छता मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उनके निरीक्षण के बाद नगर पालिका प्रशासन में सक्रियता और बढ़ गई है और सफाई व्यवस्था को सुधारने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

उन्नाव में महिला ने पड़ोसियों पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में एक महिला ने पड़ोसियों पर घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में महिला ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसने स्थानीय कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र के श्रीनगर शुक्लागंज इलाके का है। श्रीनगर निवासी माधुरी देवी पत्नी प्रेम सिंह ने बताया कि 25 अप्रैल की शाम करीब 5:15 बजे वह अपने बच्चों के साथ घर में थीं। उसी दौरान मोहल्ले के राजू कश्यप, मनोज कश्यप, सुभाष कश्यप, संजय कश्यप, रोहन कश्यप सहित कुछ अन्य लोग उनके घर में घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने घर में घुसते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। जब माधुरी देवी ने इसका विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की गई। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उनके बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और चप्पलों से पिटाई की। जब उन्होंने खुद को बचाने की कोशिश की, तो अन्य लोगों ने भी उन्हें पीटा। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने उन्हें खुलेआम धमकी दी कि यदि उन्होंने विरोध किया या पुलिस में शिकायत की, तो उन्हें और उनके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। इस घटना के बाद महिला और उनका परिवार दहशत में है। माधुरी देवी ने बताया कि उन्होंने घटना के दिन ही गंगाघाट थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने 29 अप्रैल को एसपी को भी प्रार्थना पत्र दिया। महिला का आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। 2 मई को जब वह दोबारा थाने जाने की तैयारी कर रही थीं, तो आरोपियों ने फिर धमकी दी, जिससे वह डर के कारण थाने नहीं जा सकीं।

हाथरस में फार्मर रजिस्ट्री को लेकर डीएम की समीक्षा बैठक

टीवी भारतवर्ष हाथरस

हाथरसाजनपद में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अतुल वत्स की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने और शेष बचे किसानों का शीघ्र पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री शासन की एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, जिसके माध्यम से किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी और प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस कार्य को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो किसान अभी तक किसी कारणवश रजिस्ट्री से वंचित रह गए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर जल्द से जल्द पंजीकरण कराया जाए।जिलाधिकारी ने ग्राम स्तर पर अभियान चलाकर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने पर जोर दिया। इसके लिए पंचायत सहायकों, राशन डीलरों, लेखपालों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों का सहयोग लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन अनिवार्य है और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सभी अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि कोई भी पात्र किसान फार्मर रजिस्ट्री से वंचित न रह जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्नाव में गंगा सेतु परियोजना के प्रभावितों को मुआवजे की प्रक्रिया तेज

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के गंगाघाट क्षेत्र स्थित मिश्रा कॉलोनी में निर्माणाधीन नवीन फोरलेन गंगा सेतु परियोजना से प्रभावित परिवारों के लिए राहत की उम्मीद बढ़ गई है। इस परियोजना के दायरे में लगभग 47 परिवारों के 37 मकान आ रहे हैं, जिसके कारण इन परिवारों के सामने आवास और आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया था।प्रभावित परिवारों ने हाल ही में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा से मुलाकात कर मुआवजा और पुनर्वास की मांग उठाई थी। इस पर प्रशासन ने उन्हें आश्वस्त किया है कि सभी प्रभावितों को वर्तमान प्रचलित सर्किल रेट के आधार पर उचित और पारदर्शी मुआवजा दिया जाएगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी पात्र परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुआवजा प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को क्षेत्रीय लेखपाल प्रशांत अवस्थी मिश्रा कॉलोनी पहुंचे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों के मकानों से संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच और सत्यापन किया। इस दौरान रजिस्ट्री, हाउस टैक्स रसीद, बैंक पासबुक और अन्य आवश्यक कागजातों का परीक्षण किया गया, ताकि पात्रता की सही पुष्टि की जा सकेलेखपाल ने जानकारी दी कि अब तक लगभग 80 प्रतिशत प्रभावित परिवारों ने अपने जरूरी दस्तावेज प्रशासन को सौंप दिए हैं। इनमें से करीब 30 परिवारों के दस्तावेज पहले ही पूरी तरह जमा हो चुके हैं, जबकि बाकी परिवारों से भी जल्द प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है। प्रशासन का कहना है कि दस्तावेजों के अभाव में किसी भी स्थिति में मुआवजा प्रक्रिया में देरी नहीं होने दी जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मुआवजा वितरण पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था के तहत किया जाएगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता या विवाद की स्थिति में उसका समाधान उच्च अधिकारियों की देखरेख में किया जाएगा। सभी मामलों की निगरानी लगातार की जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की सक्रियता और पहल पर संतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि समय पर मुआवजा मिलने से उन्हें नए आवास की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी और जीवन में स्थिरता आएगी। अधिकारियों के अनुसार, मुआवजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद गंगा सेतु परियोजना के निर्माण कार्य में और अधिक तेजी लाई जाएगी, जिससे क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी।

नगर पालिका सभागार में भव्य आयोजन

टीवी भारतवर्ष हाथरस

हाथरस। नगर पालिका सभागार में सफाई मजदूर संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष उमेश चंचल का शपथ ग्रहण समारोह बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद राजेश दिवाकर व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रोहित कुमार सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान अधिशासी अधिकारी रोहित कुमार ने उमेश चंचल को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सफाई मजदूर संघ के कर्मचारियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया और खुशी जाहिर की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सफाई मजदूर संघ के सदस्य मौजूद रहे। अपने संबोधन में नवनियुक्त अध्यक्ष उमेश चंचल ने सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संघ के प्रत्येक सदस्य की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुनेंगे और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सफाई कर्मियों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। इस दौरान तमाम लोग उपस्थित रहे।

हाथरस में चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर

हाथरस। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर शहर के बागला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने चौधरी अजीत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में किसानों और आम जनता के हितों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए, जिन्हें सदैव याद रखा जाएगा। इस अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष चौधरी श्याम सिंह, जिला महासचिव विश्वनाथ प्रताप सिंह (बंटी भैया), पूर्व ब्लॉक प्रमुख गिरेंद्र चौधरी, जिला पंचायत सदस्य इशान चौधरी, श्याम सुंदर राणा, सुभाष प्रधान, संजू जाट, मुनमुन चौहान, धर्मेंद्र चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुभासपा के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला

राजभर ने कहा- "अखिलेश खुद 2014, 2017, 2019, 2022 का चुनाव हार गए। 2027 में भी हारेंगे। अखिलेश के पीछे सजातीय वोटों के अलावा कोई ताकत, कोई गुण नहीं है। दोपहर तक सोते हैं। एसी से बाहर निकलते नहीं हैं और सोशल मीडिया के अलावा कहीं दिखाई नहीं देते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुभासपा के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव को ट्वीट, AC और PC यानि प्रेस कॉन्फ्रेंस वाला नेता बताया है। उन्होंने दावा किया कि 2027 चुनाव के बाद अखिलेश की राजनीति खत्म हो जाएगी और अखिलेश लंदन चले जाएंगे। आपको बता दें कि बंगाल में TMC की करारी हार हुई है जिसके बाद इंडी अलायंस के नेताओं ने ममता बनर्जी को फोन किया। इसमें एक नाम अखिलेश यादव का भी है। ये बात खुद ममता बनर्जी ने बताई है। बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव आज ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता जा सकते हैं। पिछले 4 महीने में अखिलेश ममता की ये दूसरी मुलाकात होगी। इससे पहले 27 जनवरी को चुनाव शुरू होने से पहले अखिलेश ने ममता से मुलाकात की थी। इसी को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश याजव पर निशाना साधा है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुभासपा के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव को ट्वीट, AC और PC यानि प्रेस कॉन्फ्रेंस वाला नेता बताया है। उन्होंने दावा किया कि 2027 चुनाव के बाद अखिलेश की राजनीति खत्म हो जाएगी और अखिलेश लंदन चले जाएंगे। आपको बता दें कि बंगाल में TMC की करारी हार हुई है जिसके बाद इंडी अलायंस के नेताओं ने ममता बनर्जी को फोन किया। इसमें एक नाम अखिलेश यादव का भी है। ये बात खुद ममता बनर्जी ने बताई है। बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव आज ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता जा सकते हैं। पिछले 4 महीने में अखिलेश ममता की ये दूसरी मुलाकात होगी। इससे पहले 27 जनवरी को चुनाव शुरू होने से पहले अखिलेश ने ममता से मुलाकात की थी। इसी को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश याजव पर निशाना साधा है। ओम प्रकाश राजभर ने आगे कहा- "बंगाल में ममता जी से मुलाकात के जरिए अखिलेश जी यूपी को संदेश देंगे कि सब EVM की वजह से हो रहा। अखिलेश यह सब अपने लिए कर रहे हैं ताकि 2027 में जब वे हारे तो EVM पर ठीकरा फोड़ सके। लेकिन शहजादों को याद रखना चाहिए कि अब जनता सिंहासन पर विराजमान है। जहां भी सिंहासन खाली नहीं हो रहा, जनता ने नारा दे दिया है कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।" बता दें कि इससे पहले मंगलवार को भी ओपी राजभर ने अखिलेश पर निशाना साधा था। राजभर ने कहा था- "अखिलेश यादव जी ट्वीट, एसी और पीसी के नेता हैं। उनको लेकर मेरे मन में कभी संदेह नहीं रहता। बंगाल चुनाव नतीजों को लेकर मेरे मन में कोई संदेह नहीं था। जिस दिन अखिलेश यादव जी ने ट्वीट कर ममता दीदी के जीत की मुनादी शुरू की, उसी दिन पक्का हो गया था कि वे हारने जा रही हैं। अखिलेश जी ने महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का समर्थन किया वो हार गए। दिल्ली में केजरीवाल की सरकार का समर्थन कर रहे थे, हार गए। तेजस्वी यादव के लिए गांव-गांव घूमे। तेजस्वी हार गए। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनवा रहे थे वह भी पराजित हुए।"

न्याय की गुहार लगाने पहुंची महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के ललौली थाना से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां थाने में एक महिला ने युवक द्वारा शादी से इंकार करने पर जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। आनन-फानन में पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। महिला ने बताया कई सालों से एक युवक उसके साथ शारीरिक संबंध में था। शादी का प्रस्ताव रखने पर उसने मना कर दिया। मामले को लेकर पुलिस के पास गई तो कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आहत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। अब पुलिस पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक महिला की शादी ललौली थाना क्षेत्र के हरियापुर गांव निवासी राजेश से हुई थी, जिसके साथ 6 वर्ष महिला ने बिताए। बाद में ससुराल में ही पड़ोस के एक युवक प्रदित्य पुत्र बलदेव के बहकावे में आकर उसके साथ कानपुर चली गई। बीते 4 वर्षों से उसी के साथ रह रही थी। महिला ने बताया की शादी का झांसा देकर प्रदित्य उसके साथ दुष्कर्म करता रहा, लेकिन अब शादी से इंकार कर रहा है। महिला ने बताया कि शादी से इंकार करने पर लगभग 20 दिन पहले बिंदकी कोतवाली में लिखित शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। फिर आदित्य के गांव हरियापुर गई, जहां पर मेरे साथ अभद्रता की गई, जिसकी शिकायत ललौली थाने पहुंचकर किया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे आहत होकर थाने के अंदर ही जहरीला पदार्थ खा लिया।

समाजवादी पार्टी ने I-PAK से समझौता खत्म कर दिया

कानूनी पचड़े में फंसी I-PAK के सूत्रों ने बताया कि समाजवादी पार्टी से इस साल की शुरुआत में तय हुआ समझौता अब रद्द हो चुका है। समाजवादी पार्टी का 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक (I-PAK) के साथ समझौता हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, कानूनी झमेले में उलझी I-PAK की चुनावी असफलताओं और सपा की आंतरिक आपत्तियों के कारण समझौता रद्द हुआ है। इसके अलावा फर्म की कम सक्रियता के कारण TMC और I-PAC के बीच दूरियां बढ़ गईं। I-PAC के कई सूत्रों ने पुष्टि की कि ED छापेमारी के बाद TMC नेताओं के साथ उनके संबंध खराब हो गए। एक सूत्र ने बताया कि नेताओं को चुनाव से पहले पूरी मदद की उम्मीद थी, लेकिन जमीनी स्तर पर हमारी कम सक्रियता ने उन्हें नाराज कर दिया। कानूनी पचड़े की वजह से I-PAC का कार्य प्रभावित हुआ है। कंपनी ने उत्तर प्रदेश में अपना कार्यालय बंद कर दिया और लगभग 30-40 नियुक्त लोगों को काम पर न आने के लिए कहा गया है। इससे समाजवादी पार्टी की चुनाव प्रचार तैयारियां ठप होने का संकेत मिला। वहीं, I-PAC के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि कई कारकों ने इस समझौते के टूटने में भूमिका निभाई। ममता बनर्जी द्वारा संसद में समझौता करवाने में I-PAC की अहम भूमिका रही थी, लेकिन UP परियोजना के लिए चुने जा रहे चंदेल की ED द्वारा गिरफ्तारी ने योजना को खतरे में डाल दिया। सूत्रों के मुताबिक, I-PAC के पूर्व कर्मचारियों के नेतृत्व वाली एक अन्य फर्म 2027 के चुनावों से पहले पार्टी की मदद कर सकती है। हालांकि, SP के अंदर बाहरी सलाहकारों पर निर्भरता को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। एक SP पदाधिकारी ने कहा कि चंदेल की गिरफ्तारी के बाद I-PAC के साथ समझौता तोड़ना अपेक्षित था। इससे पार्टी नेताओं के बीच अनिश्चितता का माहौल बन गया। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के हालिया चुनावी नतीजों ने भी पार्टी को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया, जहां I-PAC सत्ताधारी दलों के साथ काम कर रही थी। एक अन्य वरिष्ठ SP नेता ने कहा कि अखिलेश यादव जमीनी कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया को निजी एजेंसियों से मिली जानकारी से ज्यादा महत्व देते हैं। पार्टी कैडर-आधारित राजनीतिक बुद्धिमत्ता पर जोर दे रही है।

काशी (वाराणसी) में रिवर टूरिज्म को नई उड़ान मिलेगी

वाराणसी में क्रूज टर्मिनल का निर्माण वैश्विक पर्यटन केंद्र की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह प्रोजेक्ट काशी को स्मार्ट सिटी से आगे बढ़ाकर वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने में मदद करेगा। वाराणसी में बनने वाला यह टर्मिनल गंगा की लहरों पर पर्यटन को सुगम बनाएगा और बनारस की अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय जोड़ेगा। वर्तमान में अधिकांश क्रूज और नावों का संचालन मुख्य घाटों तक सीमित था, जिससे वहां भारी दबाव बना रहता था। इस टर्मिनल के निर्माण से गंगा के उस पार और सामने घाट क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प और छोटे व्यापारियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। क्रूज संचालन, टर्मिनल प्रबंधन, और संबंधित सेवाओं (जैसे होटल, गाइड, परिवहन) के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यह टर्मिनल भविष्य में वॉटर टैक्सी और अन्य जल परिवहन सेवाओं के लिए मुख्य पड़ाव बनेगा, जिससे शहर की सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। अगर तय मानकों के अनुसार, I W A I भुगतान या अन्य जरूरी प्रक्रिया पूरी नहीं करेगा तो प्रस्तावित टर्मिनल भवन की एक पूरी मंजिल वाराणसी नगर निगम को आवंटित करनी होगी। इस कदम से निगम के राजस्व में वृद्धि होने और सरकारी संपत्तियों के प्रभावी मुद्रीकरण में सहायता मिलने की उम्मीद है। संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम के इस निर्णय से न केवल क्रूज संचालन के लिए एक सुव्यवस्थित ढांचा तैयार होगा, बल्कि वाराणसी के पर्यटन और बुनियादी ढांचे में भी क्रांतिकारी बदलाव आएगा।